भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1907
बुधवार, 11 फरवरी, 2026 को उत्तर देने के लिए

भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन

1907. श्री कल्याण बनर्जीः

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का जीव विज्ञान और चिकित्सा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अनुसंधान और वैज्ञानिक अध्ययन के लिए एक प्लेटफार्म के रूप में भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) स्थापित करने का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो उक्त प्रस्ताव की वर्तमान स्थिति क्या है और यह किस प्रकार मानव की अंतरिक्ष क्षेत्र की यात्रा और तत्संबंधी जीवन रक्षक अनुसंधान प्रक्रिया में सहायता करेगा; और

(ग) उक्त स्टेशन की स्थापना के लिए वित्तपोषण मॉड्यूल और इसके लिए विदेशी तकनीकी सहयोग संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

****

(क) जी हाँ। अंतरिक्ष विज़न 2047 के अंतर्गत, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का उद्देश्य भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) की स्थापना करना है। बीएएस जीव विज्ञान एवं चिकित्सा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अनुसंधान और वैज्ञानिक अध्ययन के लिए एक प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करेगा।

(ख) इसरो ने पाँच मॉड्यूल वाले भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन का समग्र संरूपण तैयार किया है। राष्ट्रीय स्तर की समीक्षा समिति द्वारा समग्र संरूपण की समीक्षा की गई है। सितंबर 2024 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गगनयान कार्यक्रम के दायरे में संशोधन के तहत 2028 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस-01) के पहले मॉड्यूल के विकास और शुभारंभ को मंजूरी दी। इसरो के केंद्रों/इकाइयों में बीएएस-01 मॉड्यूल की समग्र प्रणाली की इंजीनियरी और विभिन्न उप-प्रणालियों के प्रौद्योगिकी विकास संबंधी कार्य प्रगति पर हैं।

..2/-

उन्नत जीवन रक्षक प्रणालियों जैसे तकनीकी तत्वों से युक्त बीएएस निम्न भू-कक्षा (एलईओ) में दीर्घकालिक मानव निवास को संभव बनाएगा। यह निम्न भू-कक्षा (एलईओ) में संभावित सामाजिक-आर्थिक प्रभाव वाले उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शन गतिविधियों की शुरूआत को संभव बनाएगा। साथ ही, एलईओ से परे भारतीय मानव अंतरिक्ष अन्वेषण अभियानों को भी समर्थन प्रदान करेगा।

(ग) विभिन्न पूर्ववर्ती मिशनों, बीएएस-1 के विकास और प्रमोचन के लिए बजटीय आवंटन को गगनयान कार्यक्रम के संशोधित दायरे में शामिल किया गया है, जिसे सितंबर 2024 में केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के आधार पर पहले से स्वीकृत गगनयान कार्यक्रम में अतिरिक्त निधि जोड़कर ₹20,193 करोड़ तक बढ़ा दिया गया है। वर्तमान में, बीएएस के लिए अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों या संगठनों के साथ कोई विशेष तकनीकी सहयोग समझौता नहीं है।

****